Date: 14|10|19

त्रयोदशः पाठः

प्राचीनाः भारतीयाः वैज्ञानिकाः

शब्द	अर्थ
पुराकालेऽपि	प्राचीनकाल में भी
जायन्ते	उत्पन्न होते हैं
गौरवम्	महत्ता, प्रतिष्ठा
सूचयन्ति	सूचित करते हैं
प्रतिपादितः	प्रस्तुत किया गया
शल्यकर्म	चीरफाड़ का कार्य
चिकित्सा	इलाज, रोग का निवारण
गोलाकारा	गोल आकार वाली
गणितज्ञः	गणितं जानाति यः
सः (विग्रहः)	गणित जानने वाला
रसायनशास्त्री	रसायन - विज्ञान का ज्ञाता
वास्तुविद्या	भवन बनाने का विज्ञान
प्रसारयति	फैलाता है
दुर्गः	किला

अभ्यास· 2

• एकपदेन उत्तरत।

(क) प्राचीनाः वैज्ञानिकाः कस्यां भाषायां ग्रन्था-न् अरचयन्?

(क) संस्कृत भाषायाम्

(ख) महर्षिः सुश्रुतः कस्याः आचार्यः आसीत्?

(ख) शल्य चिकित्सायाः

(ग) महर्षि: चरक: काम् ग्रन्थम् अरचयत्?
(ग) चरक संहिता

(घ) ज्योतिष - क्षेत्रे क: महान वैज्ञानिक: अभवत्
(घ) आर्यभट्ट

(ङ) पृथ्वी कस्य परिक्रमां करोति?
(ङ) सूर्यस्य

(च) क: महान् गणितज्ञः अभवत्?
(च) ब्रम्हगुप्त

अभ्यास: 3

• पूर्णवाक्येन उत्तरत।

(क) पुराकाले के भारतस्य गौरवं अवर्धन्त?
(क) पुराकालेऽपि अनेके कुशलाः वैज्ञानिकाः भारतस्य गौरवं वर्धितवन्तः।

(ख) चरकसंहितायां किं प्रतिपादितम् अस्ति?
(ख) आयुर्वेदक्षेत्रे महर्षिः चरकः 'चरक संहिताम्' नाम ग्रन्थम् अरचयत। तस्यां मनसः शरीरस्य च क्रियाः प्रतिपादिताः सन्ति।

(ग) आर्यभट्टः किं प्रतिपादितवान्?
(ग) ज्योतिषक्षेत्रे आर्यभट्टः महान् वैज्ञानिकः अभवत्। पृथ्वी गोलाकारा वर्तते, सूर्यस्य परिक्रमा करोति, चन्द्रः सूर्यात् प्रकाशं लभते - इत्यादिः सः प्रतिपादितवान्।

(घ) नागार्जुनः कः आसीत्?
(घ) नागार्जुनः प्राचीनभारतस्य रसायनशास्त्री आसीत्।

(ङ) भवन - निर्माण - क्षेत्रे के वैज्ञानिकानां कीर्तिं प्रसारयन्ति?
(ङ) भवननिर्माण - क्षेत्रे देशस्य विभिन्नेषु राज्येषु प्राचीनानी ~~मा~~ मन्दिराणि भवनानि दुर्गाश्च वैज्ञानिकानां किर्तिं प्रसारयन्ति।

अभ्यास: 5

• उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

(क) भारतस्य सभ्यता संस्कृतिश्च प्राचीने स्तः।

(ख) अद्यापि ते ग्रन्थाः प्राचीनभारतस्य विज्ञान-क्षेत्रे उन्नतिम् सूचयन्ति।

(ग) दोषाणां कारणात् रोगाः जायन्ते।

(घ) महर्षिः चरकः शल्यचिकित्सायाः आचार्यः आसीत्।

(ङ) नागार्जुनः प्राचीनभारतस्य ~~स्था~~ रसायनशास्त्री आसीत्।

(च) वराहमिहिरः बृहत्संहिताम् रचितवान्।

अभ्यास: 6

• प्रदत्तेषु पदेषु सन्धिं विच्छेदं वा ~~कुरुत~~ कुरुत।

(क) पुराकालेऽपि – पुराकाले + अपि
(ख) रामः + अपि – रामोऽपि
(ग) इति + आदिः – इत्यादि
(घ) दुर्गाश्च – दुर्गा + च
(ङ) वैज्ञानिकोऽभवत् – वैज्ञानिक + अभवत
(च) अद्य + अपि – अद्यापि
(छ) चिकित्सापि – चिकित्सा + अपि
(ज) नाग + इन्द्रः – नागेन्द्र

अभ्यास · ७

• उचित क्रियापदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

(क) वैज्ञानिकाः देशस्य गौरवं वर्धितवन्तः।

(ख) सः मम निवेदनं स्वीकृतवान्।

(ग) कालिदासः त्रीणि नाटकानि रचितवान्।

(घ) अहम् कथां श्रुतवान्।

(ङ) तौ पाठं न पठितवन्तौ।

> अस्माकं – – – – – – – सूचयन्ति।

अर्थ > हमारा देश बहुत पुराना है। इसकी सभ्यता और संस्कृति भी बहुत पुरानी है। हमारे देश मे प्राचीनकाल में भी कुशल ~~वैज्ञ~~ वैज्ञानिक उत्पन्न हुए जो देश के गौरव को बढ़ाते है। विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में उस काल में भी समृद्ध थी। उस क्षेत्र के वैज्ञानिकों ने संस्कृत भाषा मे बहुत सी ग्रंथों की रचना की आज भी वे ग्रंथ प्राचीन भारत के विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति को सूचित करते है।

> आयुर्वेदक्षेत्रे – – – – – अभवन्।

अर्थ > आयुर्वेद क्षेत्र में महर्षि 'चरकसंहिता' नाम के ग्रन्थ की रचना की। उसमे मन और शरीर के कियाओं के बारे में प्रस्तुत किया गया था। इन दोषों के कारण ये रोग उत्पन्न होते है उनकी चीर फाड़ का कार्य करते थे। वह सुश्रुत संहिता नामक ग्रंथ में चीर फाड़ में प्रयोग करने वाले यंत्रो का वर्णन किया। नागार्जुन प्राचीन भारत के रसायन शास्त्री थे। ये महान चिकित्सक थे।

- **स्वर सन्धि :-** स्वर के बाद किसी स्वर के आने से जो परिवर्तन हो, उसे स्वर सन्धि कहते हैं। जैसे ⇛ रमा + ईश = रमेश:

- **विसर्ग सन्धि :-** से विसर्ग का 'ओ' होने पर भी पुनः स्वरसन्धि होती है। जैसे ⇛ रामः + अपि = रामो + अपि = रामोऽपि।